जेस्ट परीक्षा पास करने पर कुलपति ने दी बधाई

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय विज्ञान अध्ययन एवं शोध संस्थान के भौतिक विज्ञान विभाग के दो विद्यार्थी वैशाली सिंह तथा कायनात फातिमा ने भौतिक विज्ञान विषय में साइंस एंड इंजीनियरिंग रिसर्च बोर्ड द्वारा आयोजित संयुक्त प्रवेश परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर 80वीं तथा 121वी रैंक प्राप्त की है। इस प्रतिष्ठित प्रवेश परीक्षा में देश भर से लगभग भौतिकी विषय के 50 हजार छात्र समलित हुए थे। परीक्षा को उत्तीर्ण करने के पश्चात अभ्यर्थी देश के प्रतिष्ठित शोध संस्थान जैसे आईआईएससी बैगलोर, टीआईएफआर मुंबई, एच आर आई प्रयागराज, समस्त आईआईएसईआर, एनआईएसईआर, आरआरआई बैगलोर इत्यादि में पीएचडी के लिए प्रवेश ले सकेंगे। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने दोनों विद्यार्थियों को बधाई दी। यह उम्मीद जताई की इसी तरह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के विद्यार्थी विश्वविद्यालय तथा अपने संस्थान का नाम रोशन करते रहेंगे। इस अवसर पर रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो. देवराज सिंह, डॉ प्रमोद कुमार यादव, डॉ गिरिधर मिश्र, डॉ पुनीत धवन, डॉ संदीप कुमार वर्मा, डॉ आलोक कुमार वर्मा, डॉ रामांशू प्रभाकर सिंह सहित संस्थान के सभी शिक्षकों ने विद्यार्थियों को बधाई दी।

प्रशांत सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुतिके लिए पुरस्कृत

वाइसचांसलर प्रो. निर्मला ने दी बधाई

सरायख्वाजा। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित रज्जू भैया संस्थान के भौतिकी विभाग के शोध छात्र प्रशांत श्रीवास्तव को जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर, मध्य प्रदेश में 16 से 18 मार्च को आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस स्टडी ऑफ नेनोमेटेरियल एंड साइंटिफिक डेवलपमेंट इन 21वीं सेंचुरी में सर्वश्रेष्ठ पोस्टर प्रस्तुति के लिए पुरष्कृत किया गया है। प्रशांत श्रीवास्तव को यह पुरस्कार नॉन डिस्ट्रक्टिव विधि से जिंक ऑक्साइड नैनो ट्यूब के ऊपर किए गए शोध कार्य के लिए प्रदान किया गया है। जिंक ऑक्साइड नैनो ट्यूब का अनुप्रयोग इंडस्ट्रीज और मेडिकल के फील्ड में जैविक संवेदक, नेनोमेडिसीन बनाने में इसकी क्षमता को बढ़ाने के लिए किया जाता है। इस कॉन्फ्रेंस में देश भर के विभिन्न आईआईटी, एनआईटी, विश्वविद्यालयों के 150 से अधिक प्रोफेसर्स, वैज्ञानिक और शोधार्थी शामिल हुए थे, जहां सभी कैटेगरी में तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुति हेतु पुरस्कृत किया गया। प्रशांत श्रीवास्तव प्रो. राजेन्द्र सिंह रज्जू भैया संस्थान के संस्थापक निदेशक और भौतिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डा. प्रमोद कुमार यादव के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं। उनकी इस सफलता के लिए कुलपति प्रो. निर्मला एस मौर्य ने बधाई देते हुए कहा कि सभी शिक्षकों और शोधार्थियों को रिसर्च के क्षेत्र में उत्साह के साथ आगे बढ़ते रहना चाहिए। रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो. देवराज सिंह, प्रो. मानस पाण्डेय, डा. गिरिधर मिश्र, डा. प्रमोद कुमार, डा. सुनील कुमार, डा. पुनीत धवन, डा. अजीत सिंह, डा. नीरज अवस्थी, डा. नितेश जायसवाल, डा. काजल डे, डा. धीरेंद्र चौधरी, डा. सुजीत चौरसिया, डा. रामांशु प्रभाकर सिंह, डा. शशिकांत, डा. संदीप वर्मा व अन्य शिक्षको ने बधाई दी।

संचारी रोग नियंत्रणके लिए हुई बैठक

मुख्य अतिथि रजनीश राय ने कहा कि खेल के प्रति हमें रुझान देना चाहिए क्योंकि देश में महान

बल्लेबाजी करते हुए 175 रन 2 विकेट के नुकसान पर बनाए। एक्सो 27 रन की साझेदारी के साथ

की गई। दूसरा मैच डालिम्स बनाम दिल्ली के बीच खेला गया। डालिम्स ने टॉस जीतकर पहले

मोहम्मद जैद खान, मोहम्मद आमिर, मोहम्मद शफीक उर्फ किरमानी, आमिर रशदी अहमद अब्बास खान सैकड़ों खिलाड़ी एवं महाविद्यालय परिवार के समस्त लोग मौजूद रहे।

होना जरूरी होता है। छात्र छात्राओं को इन्द्रीय संयम समय संयम अर्थ संयम एवं विचार संयम जरूरी है। जैसे चन्द्रमा अकेले दुनिया पर भाड़ी

पूर्वांचल विश्वविद्यालय के तीन शिक्षकों को मिला शोध अनुदान

मेडिकल में प्रयोग होने वाली नैनो मटेरियल के परीक्षण पर होगा शोध : प्रमोद कुमार यादव

वातावरण में विषैली गैसों पर करेंगे शोध : प्रमोद कुमार

कांपलेक्स और कांटेक्ट मैनीफोल्ड के गुणों का होगा अध्ययन : डॉ. सुशील शुक्ला

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित प्रो. राजेंद्र सिंह (रज्जू भइया) भौतिकीय अध्ययन एवं शोध संस्थान के दो शिक्षकों डॉ. प्रमोद कुमार यादव व डॉ. प्रमोद कुमार तथा इंजीनियरिंग संकाय के डॉ. सुशील शुक्ला को उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा विभाग द्वारा रिसर्च एंड डेवलपमेंट योजना के अंतर्गत शोध के लिए अनुदान मिला है। इस शोध योजना की अवधि तीन वर्षों की होगी। पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शिक्षकों द्वारा शोध के क्षेत्र में लगातार उपलब्धि पर विश्वविद्यालय में हर्ष का माहौल है।

इस योजना के अंतर्गत रज्जू भैया संस्थान के भौतिकी विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. प्रमोद कुमार यादव को अल्ट्रासोनिक नॉन-डिस्ट्रक्टिव विधि से औद्योगिक इंजीनियरिंग एवं मेडिकल के क्षेत्र में प्रयोग होने वाली नैनो मटेरियल के परीक्षण एवं अनुप्रयोग के लिए यह शोध अनुदान मिला है। वहीं रज्जू भैया संस्थान के रसायन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. प्रमोद कुमार को कंडक्टिंग पॉलीमर नैनोकंपोजिट से वातावरण में विषैली गैसों और वाष्पशील कार्बनिक यौगिकों के संवेदन पर शोध करने के लिए यह अनुदान मिला है। इसी क्रम में इंजीनियरिंग संकाय के गणित विभाग के डॉक्टर सुशील शुक्ला को विभिन्न कनेक्शनों के साथ कांपलेक्स और कांटेक्ट मैनीफोल्ड के गुणों का अध्ययन करने के लिए यह शोध अनुदान प्रदान किया गया है। इस उपलब्धि पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने तीनों शिक्षकों को बधाई दी तथा यह उम्मीद जताई की विज्ञान क्षेत्र में पूर्वांचल विश्वविद्यालय विश्व पटल पर अपनी पहचान स्थापित करेगा। इस अवसर पर रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो. देवराज सिंह ने अनुदान प्राप्त करने वाले शिक्षकों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर प्रो. बीबी तिवारी, प्रो. मानस पांडेय, प्रो. वंदना राय, प्रो. रामनारायन, प्रो. अजय दिवेदी, डा. मनोज मिश्र, डा. सुनील कुमार, डॉ. अजीत सिंह, डा. मिथिलेश यादव, डॉ.नितेश जायसवाल, डॉ.श्याम कन्हैया सिंह, डा.नीरज अवस्थी, डा.सुजीत चौरसिया, संदीप वर्मा, डॉ.दिनेश वर्मा, डॉ.श्रवण कुमार, डॉ.काजल कुमार डे, डॉ. अलोक वर्मा, शशिकांत यादव, रामांशु सिंह समेत विश्वविद्यालय के समस्त शिक्षकों ने बधाई दी।

खबरें एक नजर में...

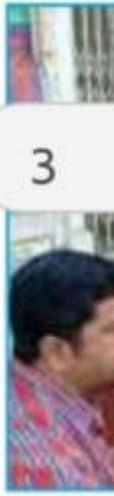

जेब्रा फाउंडेशन ने आयोजित की प्रतियोगी परीक्षा

युवतियों ने वृद्ध दम्पती

जनसंदेश टाइम्स

वाराणसी, शनिवार, 3 दिसम्बर, 2022

कुलपति ने प्रोजेक्ट पाने वाले शिक्षकों को किया सम्मानित

कुलपति सभागार में 11 शिक्षकों का सम्मान

सम्मानित हुए शिक्षको के साथ कुलपति प्रो. मौर्य

जनसंदेश न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शुक्रवार को शोध परियोजना प्राप्त करने वाले शिक्षकों को कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने सम्मानित किया।

कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने कहाकि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा शोध के लिए विश्वविद्यालय के शिक्षकों का चयन गौरव की बात है। विश्वविद्यालय के शिक्षकों के शोध परियोजनाओं से निश्चित तौर पर समाज लाभान्वित होगा।

कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य ने इस वर्ष उत्कृष्टता केंद्र एवं शोध परियोजना पाने वाले शिक्षकों को अंगवस्त्रम एवं सम्मान पत्र देकर प्रोत्साहित किया। सम्मान पाने वाले शिक्षकों में डॉ. प्रमोद कुमार यादव, डॉ. सुशील शुक्ला, डॉ. गिरिधर मिश्र, डॉ. प्रमोद कुमार, डॉ. मिथिलेश यादव, डॉ. श्याम कन्हैया, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. सुजीत कुमार, डॉ. पुनीत धवन, डॉ. काजल डे, डॉ. मनीष प्रताप सिंह रहे। कार्यक्रम का संचालन आईक्यूएसी सेल के समन्वयक प्रो. मानस पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर प्रो. वंदना राय, प्रो. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो. देवराज सिंह, प्रो. रजनीश भास्कर, डॉ. राज कुमार, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. रसिकेश समेत अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

नवीन चौरसिया सर्वश्रेष्ठ व्याख्यान के लिए पुरस्कृत

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी संस्थान के शिक्षक श्री नवीन चौरसिया को अमरावती विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र द्वारा इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस 'रीसेंट एडवांसेज इन मैटेरियल साइंस एंड नैनोटेक्नोलॉजी' में सर्वश्रेष्ठ मौखिक व्याख्यान के लिए पुरस्कृत किया है। नवीन चौरसिया को यह पुरस्कार पेरोव्स्काइट मटेरियल्स के ऊपर किए गए शोध कार्य के लिए प्रदान किया गया है। पेरोव्स्काइट मटीरियल का प्रयोग सोलर सेल की क्षमता को बढ़ा के लिए किया जाता है।

श्री चौरसिया प्रोफेसर राजेन्द्र सिं रज्जू भैया संस्थान के संस्थापक निदेशक और भौतिकी विभाग के एसोसि प्रोफेसर डॉ प्रमोद कुमार यादव के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं। उनकी इस सफलता के लिए विश्वविद्यालय कि कुलपति प्रोफ़ेसर निर्मला एस मौर्य ने बधाई देते हुए कहा कि सभी शिक्षकों को रिसर्च के क्षेत्र में उत्साह के साथ आगे बढ़ते रहना चाहिए। रज्जू भैया संस्थान के निदेशक प्रो देवराज सिंह, डॉ प्रमोद कुमार, डॉ नितेश जायसवाल, डॉ संदीप कुमार सिंह, डॉ राजकुमार, डॉ सो कुमार, डॉ हैमेंद्र सिंह, दीप प्रकाश सिं संतोष उपाध्याय, शशांक दुबे, शिवा तिवारी, अंकुश गौरव, सुबोध कुमार, मो रोशन व अन्य शिक्षकों ने बधाई दी।